हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधि काधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का मसूरी .. 8

वर्ष : 14 अंक : 305 | देहरादून,सोमवार 07 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

सीएम धामी ने किया दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस के अवसर पर क्लेमेनटाउन, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग

परम पूज्य दलाई लामा जी ने पूरी दुनिया को शांति, अहिंसा और करुणा का मार्ग दिखाया : सीएम

इंडिया वार्ता ब्यूरो **देहरादून ।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस के अवसर पर रविवार को क्लेमेनटाउन, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए समस्त देशवासियों और तिब्बती समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि बुद्धा टेंपल मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा और तिब्बती श्मशान घाट के टिन शेड का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परम पूज्य दलाई लामा जी ने पूरी दुनिया को शांति, अहिंसा और करुणा का मार्ग दिखाया है। उनकी शिक्षाएं आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हैं, जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दलाई लामा जी स्वयं कहते हैं दृ "मेरा धर्म करुणा है" दृ यही विचार उन्हें विश्व का सच्चा आध्यात्मिक गुरु बनाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड ने हमेशा से तिब्बती समाज को प्रेम, सम्मान और सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तिब्बती समुदाय के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उनके सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए हर संभव सहयोग करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि परम पूज्य दलाई लामा जी को उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान हो ताकि वे आने वाली पीढ़ियों को भी अपने अमूल्य विचारों और शिक्षाओं से मार्गदर्शन करते रहें।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, विधायक विनोद चमोली, वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार, सांगयम सोनम पालडन, डॉ. त्सावांग फुंटसोक, तेनजिंग चोएफेल, महेश पांडे, सरदार इंद्रपाल कोहली, राजेश मित्तल और तिब्बती समुदाय के लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री धामी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास पर महान शिक्षाविद्, चिन्तक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए अविस्मरणीय योगदान को याद किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक दूरदर्शी विद्वान और स्पष्टवादी नेता थे। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनके विचार हमें राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने आगे कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में शुचिता और सिद्धांतों की राजनीति की एक नई नींव रखी। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किए और एक मजबूत राष्ट्र के लिए शिक्षित समाज की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी लोगों से डॉ. मुखर्जी के आदर्शों और सिद्धांतों का पालन करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

नाबालिग संदिग्ध मौत केस: डोईवाला में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर लगाया जाम

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । शनिवार को डोईवाला स्थित माइनिंग प्लांट के कमरे में एक नाबालिग लड़की का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने के बाद लोगों में आक्रोश है। रविवार को भी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सैकड़ों लोगों ने डोईवाला में जाम लगाया। गुस्साए लोग मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस लोगों को समझाने के प्रयास में जुटी रही। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने व किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। एसपी देहात रेनू लोहनी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि तीन बच्चियां कहीं पर कूड़ा बीनने के लिए गई थी, जिसकी प्रॉपर्टी पर ये बच्चियां गई थी, उसने उन्हें पकड़ना चाहा, कि वो चोरी या किसी अन्य मकसद से तो नहीं आई हैं। जब लड़कियों को पकड़ना चाहा तो, उनमें से दो लड़कियां भाग गई, लेकिन एक लड़की उनकी पकड़ में आ गई। जिसके बाद उन्होंने उसे कमरे में बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब तक वहां पहुंचती, सूचना आई कि बच्ची ने खुदकुशी कर ली है। ऐसा उनके द्वारा बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसपी देहात रेनू लोहनी ने बताया कि शिकायत के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौर हो कि शनिवार को डोईवाला स्थित एक माइनिंग प्लांट पर 13 वर्षीय किशोरी का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला था। किशोरी डोईवाला क्षेत्र की रहने वाली थी और कूड़ा बीनने का कार्य करती थी। किशोरी का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। माइनिंग प्लांट में 13 वर्षीय नाबालिग का शव खिड़की पर चुन्नी के सहारे लटका मिला था। घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए थे, और घटना के बाद परिजनों व हिंदूवादी संगठनों ने डोईवाला कोतवाली में जमकर हंगामा किया और कई घंटे तक डोईवाला चौक पर जाम लगा रहा। वहीं हंगामे को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी।

साधन सचिवों को भी मिले पेंशन का लाभ

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । सेवानिवत्त पैक्स कैडर सचिव कल्याण परिषद ने भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को मांगों के निस्तारण को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने साधन सचिवों को राज्य कर्मियों की ही तरह पेंशन का लाभ भी सुनिश्चित कराने की मांग की। परिषद अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रावत ने ज्ञापन में कहा कि कैडर सचिवों को राज्य कर्मियों की तरह पेंशन सुविधा दी जाए। कैडर सचिवों को 30 से 35 वर्ष की नौकरी के बाद भी पेंशन की सुविधा नहीं दी जा रही है। दूसरी ओर राज्य में सरकारी से लेकर निगमों तक में कर्मचारियों को पेंशन की सुविधा मिल रही है। पेंशन न मिलने से कैडर सचिवों को कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सम्पादकीय

'योद्धा-संस्कृति'

भारत की देशना में कभी भी एक धारीय दर्शन स्वीकार नहीं रहा है। यह देश, यह धरती बहुधाराई विचार की वाहक रही है और सभी विचारों को बराबर सम्मान मिलता रहा है। वैदिक परम्परा, जैन परम्परा तथा बौद्ध जीवन-व्यवस्था अपने-अपने स्थान, उद्देश्य व कर्तव्य में बिल्कुल सही हैं। पर भारत की इन प्राचीन परम्पराओं में जैन व बौद्ध जगत व जीवन से अपने-अपने भिन्न तरीके की मुक्ति, निर्वाण के आकांक्षी हैं। कुछ भी गलत नहीं है इसमें। यह वही बहु विज्ञात्माओं से प्रशंसित व परिचालित पन्थ हैं।परन्तु भारतीय पुरातन विचारधारा वेद में मुक्ति, निर्वाण, गृहत्याग व संन्यास ये शब्द तक नहीं है। कोई सही माने या मिथ्या वैदिक संस्कृति 'योद्धा-संस्कृति' है, वह सन्त संस्कृति नहीं ही है। वह मानव का परिपूर्ण रूपान्तर व मानव के द्वारा पृथ्वी के रूपान्तर की प्रणाली बताती है। एक भी वैदिक ऋषि अविवाहित नहीं है, संन्यासी नहीं है, गृहत्यागी नहीं है। ऋग्वेद के १०/१६१ मंत्रों में यह विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। हर मानव का चुनाव अपना-अपना है। यही जैनधर्म का अनेकान्तवाद व स्याद्वाद समझाता है, यही वेद का वचन है, 'एकम् सद् विप्रा बहुधा वदन्ति'--यहां बहुधा का प्रयोजन सत्य के पर्यायवाची से नहीं है बल्कि यहां सत्य की व्यक्ति व्यक्ति के लिए स्तर, रुचि व सामर्थ्य भेद के द्वारा सत्य को समझने की बात है। भारत में मानवों की रुचिभेद, स्तरभेद, सामर्थ्य भेद की जितनी स्वत्रंता दी गई है, विश्व की किसी जाति, किसी विचार धर्म में है ही नहीं। कट्टरता, आग्रह, स्वयं को ही परम सत्य मान लेना ऐसा भारतीय मनीषा ने कभी उचित नहीं माना। विराट परमपुरुष, सनातन कालपुरुष सबको उसके कर्माधार पर उचित परिणाम देते हैं। इसी कारण भारत में छह पुराने व छह माध्यमिक आचार्यों के मुख्य दर्शन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य भी लघु, विस्तृत अनेक दर्शनशास्त्र समाज के मध्य प्रचलित रहे हैं।अपने स्वरुचि विचार से हम श्रीकृष्ण को वह महाजन मानते हैं जिसका उपदेश हमारे लिए उपयुक्त है। परन्तु ऐसा न मानने वाले व इस पन्थ को अयुक्त या अल्पयुक्त मानने वाले भी सही हैं, पूर्ण सही। उनका चुनाव ही उनके लिए उपयुक्त व लाभक है।इसका सीधा सा अर्थ है कि संसार विविधतवादी है और प्रकृति के विविध आयाम हैं जो हमें सहज ही दिखाई देते हैं। कोई स्थिर नहीं है और स्थिरता प्रकृति को स्वीकार्य नहीं है। हर व्यक्ति का अलग अनुभव हो सकता है, लेकिन प्रकृति के नियमों के हम सब अधीन हैं और उन नियमों पर ही संसार की गति-प्रगति टिकी हुई है। उनसे इतर जाकर जीवन की परिकल्पना संभव ही नहीं है।

ई-वोटिंग : लोकतंत्र की मजबूती या तकनीकी जटिलता?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

ई-वोटिंग मतदान प्रक्रिया को सरल, सुलभ और व्यापक बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। बिहार के प्रयोग से स्पष्ट है कि मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी संभव है। हालांकि, तकनीकी पहुंच, साइबर सुरक्षा, मतदाता की पहचान और गोपनीयता जैसी चुनौतियाँ इस प्रणाली के समक्ष खड़ी हैं। डिजिटल असमानता और भरोसे की कमी को दूर किए बिना इसका व्यापक क्रियान्वयन उचित नहीं होगा। ई-वोटिंग का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते इसे संतुलित, सुरक्षित और समावेशी ढंग से लागू किया जाए। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है- जनभागीदारी। यह भागीदारी जितनी व्यापक होती है, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब आम चुनावों में भी 100 में से केवल 60-65 लोग ही अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तो सवाल उठता है कि शेष 35-40 प्रतिशत वोटर क्यों चुप रह जाते हैं? क्या यह निष्क्रियता है, उदासीनता है, या व्यवस्था की असुविधा?

इस संदर्भ में ई-वोटिंग (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग, मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से) को भविष्य का समाधान बताया जा रहा है। हाल ही में बिहार में हुए नगर निकाय उपचुनाव में एक ऐतिहासिक प्रयोग हुआ — मोबाइल ऐप के जरिए कुछ क्षेत्रों में वोटिंग करवाई गई और उस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। यह प्रयोग कई मायनों में संकेत देता है कि यदि तकनीक को सही तरीके से अपनाया जाए तो चुनावी भागीदारी क्रांतिकारी रूप से बढ़ सकती है। कई बार यह माना जाता है कि जो लोग वोट नहीं डालते, वे लोकतंत्र को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा है। प्रवासी मजदूर, जो चुनाव के समय अपने घर नहीं लौट पाते; वृद्ध या अस्वस्थ नागरिक, जो लंबी कतारों में खड़े नहीं हो सकते; और दूरदराज क्षेत्रों के नागरिक, जहाँ मतदान केंद्र तक पहुँचना एक कठिनाईपूर्ण कार्य है - इन सभी को यदि घर बैठे सुरक्षित और विश्वसनीय माध्यम से वोट डालने का विकल्प मिले, तो शायद भारत का मतदान प्रतिशत 90% तक पहुँच सकता है। ई-वोटिंग का सबसे बड़ा लाभ है सुलभता। मोबाइल फोन आज हर हाथ में है। यदि बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, नौकरी आवेदन - सब कुछ मोबाइल से हो सकता है, तो मतदान क्यों नहीं? ई-वोटिंग से लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं रहती, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए राहत होती है, कामकाजी वर्ग को कार्यालय से छुट्टी लेने की बाध्यता नहीं होती और प्रवासी नागरिक भी मतदान कर सकते हैं। यह तकनीक 'हर मतदाता तक पहुंचने' के लक्ष्य को साकार कर सकती है।

ई-वोटिंग जितनी आकर्षक है, उतनी ही चुनौतियों से घिरी भी है। सबसे पहले साइबर सुरक्षा का प्रश्न आता है - क्या वोट सुरक्षित रहेंगे? क्या हैकिंग या डेटा लीक से लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है? दूसरा प्रश्न है प्रामाणिकता - मोबाइल पर वोट डालने वाले व्यक्ति की पहचान कैसे सुनिश्चित होगी कि वह वही मतदाता है? तीसरा प्रश्न है गोपनीयता - वोट की गोपनीयता कैसे कायम रहेगी जब व्यक्ति अपने घर में बैठकर वोट डाल रहा है? चौथा प्रश्न है टेक्नोलॉजी की पहुंच - क्या भारत का हर नागरिक स्मार्टफोन, इंटरनेट और ऐप का उपयोग करने में सक्षम है?

बिहार नगर निकाय चुनाव में ई-वोटिंग को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया था। मोबाइल ऐप आधारित वोटिंग से बूथ स्तर पर बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। इससे यह प्रमाणित हुआ कि तकनीक अपनाने से न केवल सुविधा बढ़ती है, बल्कि मतदाता सक्रियता भी। लेकिन इसे पूर्णतः सफल मानना जल्दबाजी होगी। यह प्रयोग सीमित क्षेत्र, चयनित मतदाताओं, और निगरानी में किया गया था। पूरे देश में इस मॉडल को लागू करना वृहद तैयारी, भरोसेमंद तकनीकी आधारभूत ढाँचा और कानूनी वैधता की मांग करेगा।

भारत में आज भी 70 करोड़ से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जिनमें से बहुतों के पास स्मार्टफोन या तेज इंटरनेट नहीं है। डिजिटल साक्षरता की कमी, महिलाओं की तकनीकी पहुंच, बुजुर्गों का तकनीक के प्रति झुकाव - यह सभी कारक ई-वोटिंग को समावेशी नहीं, बल्कि विभाजनकारी बना सकते हैं, यदि इसे बिना तैयारी के लागू किया जाए।

इसलिए आवश्यक है कि वोटर वेरिफिकेशन सिस्टम तैयार किया जाए, जैसे आधार कार्ड आधारित OTP, फेस रिकग्निशन, या बायोमेट्रिक लॉगिन। पहले कुछ महानगरों या संस्थानों में स्वैच्छिक रूप से इसे लागू कर प्रभाव का अध्ययन किया जाए। हर चरण पर डेटा एन्क्रिप्शन और ट्रैकिंग सिस्टम का निर्माण हो। ग्रामीण और अशिक्षित वर्ग को तकनीकी मतदान की प्रक्रिया समझाई जाए। यह भी आवश्यक है कि कोई भी वोटर दबाव में या निगरानी में वोट न करे, इसके लिए गोपनीयता कानून स्पष्ट हों।

ई-वोटिंग लोकतंत्र को और भी पारदर्शी बना सकती है, बशर्ते उस पर जनविश्वास हो। यदि सही तकनीक, मजबूत साइबर सुरक्षा, पारदर्शिता, और व्यापक जनशिक्षा को मिलाया जाए, तो ई-वोटिंग न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ा सकती है, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त, समावेशी और समयानुकूल बना सकती है।

कोई भी प्रणाली तभी सफल होती है जब उस पर जनविश्वास हो। ई-वोटिंग में सबसे बड़ी चुनौती है लोगों का भरोसा जीतना। जिस दिन यह विश्वास बन जाएगा कि "मोबाइल पर दिया गया मेरा वोट उतना ही सुरक्षित और गोपनीय है जितना मतदान केंद्र पर", उसी दिन भारत में 90त्न से अधिक मतदान हो सकता है।

ई-वोटिंग कोई कल्पना नहीं, बल्कि एक संभावनाशील भविष्य है। लेकिन इसे जल्दबाजी में नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, समावेशिता और सुरक्षा के साथ अपनाना होगा। लोकतंत्र की मजबूती केवल कानूनों से नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से बनती है। और यदि तकनीक उस भागीदारी को सहज बना सकती है, तो क्यों न उसका स्वागत किया जाए - सोच-समझकर, संतुलन के साथ।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

मुख्यमंत्री के निर्देशन में फ्रंटफुट पर जिला प्रशासन, दर्जनों मोबाईल टावर सील, एक बाद एक बड़े एक्शन

बगैर अनुमति, नक्शे पंजीकरण के लगाए टावर-खूटा कील, तो होगा सील: जिला प्रशासन

कुचलती जन भावनाओं अपेक्षाओं से आहत होकर प्रशासन अपने चिरपरिचित रूप में अडिग

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । जिलाधिकारी सविन बसंल के नेतृत्व में जिला प्रशासन देहरादून निरंतर जनभावना के अनुरूप कार्य कर रहा है। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में जिला प्रशासन फ्रंटफुट रहते हुए जनहित में लगातार कड़े निर्णय ले रहा है। जिससे नियमविरूद्ध कार्यों पर प्रभावी एक्शन से इन कार्यों में संलिप्त लोगों में सरकार तथा प्रशासन का खौफ व्याप्त हो रहा है, वहीं इस प्रकार के एक्शन से आम जनमानस में सरकार एवं प्रशासन के कार्यों से सकारात्मक माहौल है तथा सरकार एवं प्रशासन की नीतियों पर विश्वास बढा है। जिला प्रशासन ने तहसील विकासनगर अन्तर्गत ग्राम बहादुरपुर सेलाकुई राजा वाला रोड तथा वार्ड 05 रामबाग हरबर्टपुर में मानकों की अनदेखी कर घनी आबादी में लगाए गए मोबाईल टावर को सील कर दिया है। मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशन में जिला प्रशासन देहरादून फ्रंटफुट पर एक बाद एक बड़े एक्शन ले रहा है, इसी क्रम में नियम विरुद्ध लगाए गए दर्जनों मोबाइल टावर सील किए गए हैं। वहीं जिला प्रशासन का मत स्पष्ट है कि बिना अनुमति के यदि टावर-खूटा कील, भी लगाई तो सील की कार्यवाही की जा रही है। डीएम जनमानस सर्वोपरि ररखकर जनहित में निर्णय ले रहें इसमें चाहे छोटे कार्य हों या फिर कई बड़े कार्यों की अनुमति क्यों न हों। जनभावना से खिलवाड़ व मानकों का उल्लंघन; जनभावना आहत् जैसे कृत्यों पर प्रशासन अपने चिरपरिचित अंदाज में अडिग होकर कार्यवाही कर रहा है। ताजा मामलें में घनी आबादी बस्ती कॉलोनी में नियम विरुद्ध लगाई जा रहे हैं हाई फ्रीक्वेंसी के मोबाईल टावर सील कर दिए गए हैं। वर्तमान में जिला प्रशासन की कार्यशैली त्वरित एक्शन की है जिससे जिले में नियम विरूद्ध कार्यों का ''विध्वंस'' किया जा रहा है। नियम कायदे दरकिनार कर लगाए जा रहे थे मोबाईल टावर, प्रशासन ने एक झटके में सील कर दिए है।

विगत माह तहसील विकासनगर अन्तर्गत ग्राम बहादुरपुर सेलाकुई राजावाला रोड़ तथा माह जुलाई वार्ड नम्बर 05 रामबाग हरबर्टपुर के निवासीगणों द्वारा शिकायत की गई थी कि उनके क्षेत्र में मानकों का उल्लंघन कर घनी आबादी में नियमविरूद्ध मोबाईल टावर लगाया गया है, जिससे क्षेत्र में बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं, क्षेत्रवासियों में रेडिएशन फैलने का गंभीर खतरा बना हुआ है। जिस पर जिलाधिकारी अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व तथा ईडीएम को तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा मोबाईल टावरों को सील कर दिया गया है।

दून पुलिस की संवेदनशीलता : नाबालिग बच्ची की संदिग्ध मौत मामले में SSP देहरादून ने परिजनों से की मुलाकात, सख्त कार्रवाई का आश्वासन

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । देहरादून पुलिस ने डोईवाला क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) देहरादून ने आज स्वयं कोरोनेशन अस्पताल पहुंचकर मृतक बच्ची के परिजनों और परिचितों से मुलाकात की और उन्हें निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई का विश्वास दिलाया।

विशेष जांच टीम का गठन और वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन

मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी देहरादून के निर्देश पर एसपी ऋषिकेश के पर्यवेक्षण में एक विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया गया है। इस टीम में स्थानीय पुलिस के अलावा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU), स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) और फील्ड यूनिट के प्रभारी भी शामिल हैं। टीम घटना के सभी पहलुओं की गहन और गुणवत्तापूर्ण जांच करेगी।

पुलिस द्वारा प्रभावी साक्ष्य संकलन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। घटना से जुड़े सभी भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का वैज्ञानिक परीक्षण किया जाएगा। साथ ही, घटना के समय पीड़िता के साथ मौजूद अन्य बालिकाओं की एक स्वतंत्र काउंसलर के माध्यम से काउंसलिंग कराकर विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी। पुलिस का लक्ष्य है कि ठोस साक्ष्य जुटाकर अभियुक्तों के खिलाफ माननीय न्यायालय में प्रभावी पैरवी की जा सके।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार और अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती

घटनास्थल को सील कर दिया गया है और फॉरेंसिक टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक बच्ची के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा किया गया है, जिसमें एक महिला डॉक्टर भी शामिल थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पोस्टमार्टम में बच्ची के साथ किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न या शारीरिक चोटों के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस संवेदनशील मामले में लोगों को गुमराह करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों को चिन्हित कर लिया गया है। ऐसे लोगों के खिलाफ भी जल्द ही सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन जनता से संयम बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रहा है।

यह घटना एक बार फिर बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज और पुलिस की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित करती है। देहरादून पुलिस का यह कदम पीड़ितों को न्याय दिलाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सीएम धामी ने झिरना और फाटो जोन में की सफारी, मां के नाम पर पौधा रोपित

रामनगर,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के भ्रमण पर निकले, इस दौरान उन्होंने झिरना और फाटो पर्यटन जोन में सफारी की। सफारी के दौरान मुख्यमंत्री ने झिरना गेट पर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में तैनात वन कर्मियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार वन रक्षकों और टूरिज्म से जुड़े कार्मिकों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार संसाधन और सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दे रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार देर शाम रामनगर पहुंचे। जहां उन्होंने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढ़ेला क्षेत्र स्थित रेस्क्यू सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम ने सेंटर में वन्यजीवों के इलाज और देखभाल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन्यजीवों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी ना रहे और इसके लिए जो भी संसाधन या सुविधाएं आवश्यक होंगी, सरकार उन्हें उपलब्ध कराएगी।

सीएम धामी ने कहा कि सरकार का फोकस सिर्फविकास कार्यों तक सीमित नहीं है। बल्कि वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को लेकर भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू सेंटर को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा, ताकि घायल या बीमार वन्यजीवों को समय पर इलाज मिल सके। वहीं सीएम धामी ने झिरना और फाटो पर्यटन जोन में सफारी की. सफारी के दौरान मुख्यमंत्री ने झिरना गेट पर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में तैनात वन कर्मियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। सीएम ने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व परिसर में फ्लदार पौधों का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार वन्यजीवों के संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में अब प्रदेश के सभी 40 वन प्रभागों (डिवीजन) में बड़े पैमाने पर फ्लदार पौधों का रोपण किया जाएगा। इससे जंगलों में वन्यजीवों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध होगा, जिससे वे बस्तियों की ओर रुख नहीं करेंगे और टकराव की घटनाओं में कमी आएगी.। वहीं सीएम धामी ने एक पेड़ अपने मां के नाम पर रोपित किया।

अमरनाथ यात्रा : अब तक 21,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर ,एंजेंसी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिछले तीन दिनों में करीब 48,000 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की। रविवार को 7,208 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 21,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि रविवार को 7,208 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, पहला सुरक्षा काफिला तीर्थयात्रियों को उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप ले जा रहा है, जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप ले जा रहा है। वार्षिक तीर्थयात्रा के मामलों का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के %भगवती नगर यात्री निवास' आने वाले यात्रियों के अलावा, कई यात्री मौके पर पंजीकरण के लिए सीधे बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप में रिपोर्ट कर रहे हैं। शनिवार को जम्मू संभाग के रामबन जिले के चंद्रकोट में घाटी जाने वाले यात्री काफिले में पांच वाहनों के आपस में टकरा जाने से 36 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।

अधिकारियों ने इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा को बहु-स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ये पहली अमरनाथ यात्रा है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 मासूम लोगों की हत्या कर दी थी। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की अतिरिक्त 180 कंपनियों को तैनात किया गया है।

दो बेस कैंपों के रास्ते में सभी ट्रांजिट कैंपों और जम्मू में %भगवती नगर यात्री निवास' से गुफा मंदिर तक के पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की पैनी नजर है। स्थानीय लोगों ने भी इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा में पूरा सहयोग दिया है, जैसा कि उन्होंने पहले भी किया है।

पहलगाम आतंकी हमले से कश्मीरियों को गहरा सदमा पहुंचाने का एक शक्तिशाली संकेत देने के लिए, स्थानीय लोगों ने यात्रियों के पहले जत्थे का माला और तख्तियों के साथ स्वागत किया, जब तीर्थयात्री काजीगुंड में घाटी में प्रवेश करने के लिए नवयुग सुरंग को पार कर रहे थे।

3 जुलाई को शुरू हुई यात्रा 38 दिनों के बाद 9 अगस्त को समाप्त होगी।

जो पैदल 46 किमी की दूरी तय करता है। इस यात्रा में तीर्थयात्री को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं।

छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किमी की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा करने के बाद उसी दिन बेस कैंप वापस लौटना पड़ता है। सुरक्षा कारणों से, इस वर्ष यात्रियों के लिए कोई हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है।

गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। अमरनाथ यात्रा भक्तों के लिए सबसे पवित्र धार्मिक तीर्थयात्राओं में से एक है, क्योंकि किंवदंती है कि भगवान शिव ने इस गुफा के अंदर माता पार्वती को शाश्वत जीवन और अमरता के रहस्य बताए थे। जब भगवान शिव शाश्वत रहस्य बता रहे थे, तब गलती से दो कबूतर गुफा के अंदर आ गए। कहते हैं, आज भी, वार्षिक यात्रा शुरू होने पर पहाड़ी कबूतरों का एक जोड़ा गुफा मंदिर से बाहर निकलता है।

यात्री कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक पहलगाम मार्ग से या छोटे बालटाल मार्ग से पहुंचते हैं।

पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए चंदनवारी, शेषनाग और पंचतरणी से गुजरना पड़ता है,

गोपाल खेमका हत्याकांड पर भड़के राहुल गांधी, बोले बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया; अब बदलाव जरूरी

नईदिल्ली,एंजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। गोपाल खेमका हत्याकांड को आधार बनाकर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल' बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम।

उन्होंने आगे लिखा, बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।

बता दें कि शुक्रवार देर रात अपराधियों ने जाने-माने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या कर दी। वारदात गांधी मैदान थाना क्षेत्र में रामगुलाम चौक के पास हुई। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है। इस घटना से व्यवसायी गुस्से में हैं।

बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने रविवार को दावा किया कि अगले एक-दो दिनों में इस हत्याकांड की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पटना और वैशाली जिलों में रात भर पुलिस की कई टीमें अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी करती रहीं। इस दौरान दर्जन भर से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे फिलहाल पूछताछ जारी है। गोपाल खेमका पर गोली चलाने वाले हमलावर को घटनास्थल के अलावा शहर के अन्य हिस्सों में लगे सीसीटीवी में भी ट्रैक किया गया है। हमलावर की मोटरसाइकिल की पहचान कर ली गई है, लेकिन हेलमेट पहनने के कारण उसके चेहरे की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर देश के प्रथम उद्योगमंत्री व भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने राष्ट्र निर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. मुखर्जी एक विचारक ही नहीं, बल्कि महान कर्मयोगी थे। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शर्मा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें राष्ट्र हित को सर्वापरि मानने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श और सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने 143 रनों की ऐतिहासिक पारी खेल तोड़े कई रिकॉर्ड

0-बाबर आजम को पीछे छोड़ रचा नया कीर्तिमान

नईदिल्ली,एंजेंसी। भारत के 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले आईपीएल 2025 में धमाल मचाया और अब वो इंग्लैंड में इंग्लिश गेंदबाजों के पसीने छुड़ा रहे हैं. वैभव ने इंग्लैंड अंडर -19 के खिलाफ भारत अंडर -19 की ओर से खेलते हुए विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी कर शतक लगाया है.

इस शतकीय पारी के साथ ही वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं. उन्होंने 4 स्टार खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ दिया है. दरअसल, भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच शनिवार को वॉर्सेस्टर में पांच यूथ वनडे मैचों की सीरीज का चौथा मैच खेला गया.

इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने 78 बॉल का सामना करते हुए 13 चौके और 10 छक्कों की मदद से 143 रनों की आतिशी पारी खेली. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा. उन्होंने अपनी इस पारी के साथ ही रिकॉर्ड बुक में अपना नाम भी दर्ज करा दिया है. वैभव ने सिर्फ 52 गेंदों पर शतक लगाया. इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के कामरान गुलाम को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम यूथ वनडे में 53 गेंदों पर शतक लगाने का रिकॉर्ड था. इसके साथ ही वैभव यूथ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले दुनिया के और भारत के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए हैं.

वैभव ने सरफराज खान को पीछे छोड़ दिया है, जो उनसे पहले भारत के लिए यूथ मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम रखते थे. सरफराज ने 2013 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 15 साल 338 दिन की उम्र में शतक बनाया था, जबकि वैभव अभी 14 वर्ष 100 दिन हैं.

वैभव ने बांग्लादेश के नजमुल हसन शांतो, पाकिस्तान के बाबर आजम और हसन राजा को भी इस मामले में पछाड़ दिया है. नजमुल हसन शांतो ने 14 साल 241 दिन, बाबर आजम ने 15 साल 48 दिन और हसन राजा ने 15 साल 267 दिन की उम्र में यूथ मैच में शतक लगाया था. वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले नंबर 1 भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होने एक पारी में 10 छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उनसे पहले ये रिकॉर्ड भारतीय बल्लेबाज मनदीप सिंह के नाम था जिन्होंने यूथ वनडे मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा 8 छक्के लगाए थे. इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 363 रन बनाए. इंग्लैंड की टीम 43.3 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए 308 रनों पर ढेर हो गई और 55 रनों से मैच हार गई.

अल्मोड़ा पुलिस का नशा व नशे की जड़ पर कड़ा प्रहार जारी

भांग की खेती पर चला लमगड़ा पुलिस का डंडा ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से जागरुक कर नशा मुक्ति का दिया संदेश

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत नशे के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

नशा उन्मूलन अभियान के तहत जनपद पुलिस द्वारा सक्रियता के साथ लगातार नशे के सौदागरों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है, साथ ही चरस व गांजा जैसे मादक पदार्थों की जड़ भांग की खेती के विनिष्टीकरण की कार्यवाही करते हुए ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक श्री हरबन्स सिंह व सीओ अल्मोड़ा श्री गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष लमगड़ा श्री राहुल राठी के नेतृत्व में चौकी प्रभारी जैती श्री दिनेश परिहार व पुलिस टीम द्वारा चौकी क्षेत्र के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर लगातार भांग की खेती को नष्ट किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर भांग की खेती नही करने के सम्बन्ध में जागरुक किया गया तथा नशा मुक्त अभियान में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गयी।

अल्मोड़ा में ग्राम पंचायत सदस्य के नामांकन में कम रहा उत्साह

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए नामांकन की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। इसके साथ ही बीजेपी और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी अपनी जीत के लिए प्रचार में जुट गए हैं। चार दिनों तक चले नामांकन प्रक्रिया के दौरान ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के चुनाव के लिए नामांकन हुआ, लेकिन ग्राम पंचायत सदस्य के पद के लिए बहुत कम उत्साह देखने को मिला। इस चुनाव में ग्राम पंचायत सदस्य के 8,242 पदों के लिए केवल 2,542 ही नामांकन हुए हैं।

बीते चार दिनों में अल्मोड़ा के खंड विकास कार्यालयों और जिला पंचायत कार्यालय में नामांकन दाखिल करने के लिए लोगों की भारी भीड़ रही। अल्मोड़ा जिले में ग्राम प्रधान के 1,160, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 391, सदस्य ग्राम पंचायत के 8,242 और जिला पंचायत सदस्य की 45 सीटें हैं। ग्राम पंचायत प्रधान पदों के लिए दोगुने से ज्यादा नामांकन आए, लेकिन ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए उत्साह कम रहा। इस तरह से 9,838 पदों के लिए 6,883 नामांकन हुए हैं। जिसमें ग्राम पंचायत सदस्य में 2,542, ग्राम प्रधान में 2,815, सदस्य क्षेत्र पंचायत में 1,321 ने पर्चा दाखिल किया।

प्रधानमंत्री के अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया

हल्द्वानी (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी ने कालाढूंगी रोड स्थित एक निजी रेस्टोरेंट के सभागार में पर्यावरण एवं पौधरोपण पर सेमिनार आयोजित किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों से पौधरोपण का आह्वान किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए सदस्यों ने जन्मदिन और वर्षगांठ पर पौधे लगाने का निश्चय किया। सचिव मुकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ. अनुज अग्रवाल, निशुल अग्रवाल समेत कई सदस्यों ने विचार साझा किए। विशेष योगदान के लिए अंजू-डॉ अनुज, विनीता-विजय, इला-अंकुर, प्रिया-पंकज, साधना-अशोक को पर्यावरण अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। लकी ड्रा में विजय श्रीवास्तव, सौरभ अग्रवाल, संजय गर्ग, राजीव श्रीवास्तव, अपूर्व को पुरस्कार मिले। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद, अनुज, निशुल, मुकेश, राखी अग्रवाल आदि ने किया।

कायस्थ महासभा ने लिया पौधरोपण का संकल्प

हल्द्वानी(इंडिया वार्ता ब्यूरो)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने राजकीय इंटर कॉलेज कठघरिया में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव की देखरेख में बेल, जामुन, आंवला, शहतूत, इमली आदि के 20 पौधे लगाए गए। इस दौरान नियमित पौधरोपण करने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीके सक्सेना, महिला उपाध्यक्ष शोभा श्रीवास्तव, सचिव राजदुलारी अस्थाना, प्रदेश अध्यक्ष वीके श्रीवास्तव, महामंत्री जीके अस्थाना, महिला अध्यक्ष रत्ना श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

चकराता में शुल्क वसूलने के बाद भी पर्यटकों को सुविधाएं नहीं दी जा रही

इंडिया वार्ता ब्यूरो

विकासनगर । चकराता से देवबन और मोयला टॉप जा रहे पर्यटकों से वन विभाग मार्ग सुधारण शुल्क और ईको टूरिज्म शुल्क के नाम पर मोटी रकम वसूल रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर विभाग ने कोई इंतजाम नहीं किया है। स्थानीय होटल व्यावसायियों और पर्यटकों ने वन विभाग के इस शुल्क को अत्यधिक बताते हुए इसे आर्थिक शोषण करार दिया है। बड़ी संख्या में पर्यटक चकराता घूमने आते हैं। इनमें से अधिकांश पर्यटक मोयला टॉप और देवबन घूमने जाते हैं, लेकिन यहां पहुंचते ही वन विभाग के कर्मचारी पर्यटकों से प्रति वाहन पांच सौ रुपये मार्ग सुधारण शुल्क और पचास रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से ईको टूरिज्म शुल्क वसूल रहे हैं। देवबन जाने वाला 14 किलोमीटर लंबा मार्ग कच्चा और बहुत खराब स्थिति में है। मार्ग पर सिर्फ एसयूवी वाहन ही जा पाते हैं। जबकि मोयला टॉप जाने के लिए लोखंडी से बुधेर संपर्क मार्ग की दूरी मात्र दो किलोमीटर है। बावजूद इसके इन दोनों मार्गों के लिए विभाग पांच सौ रुपये का शुल्क प्रति वाहन वसूल रहा है। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम पंवार, व्यापार मंडल अध्यक्ष चकराता केशर सिंह चौहान का कहना है वन विभाग की ओर से पैसा तो वसूला जा रहा है, लेकिन सुविधा के नाम पर पर्यटकों को कुछ नहीं मिल रहा है। न तो इन स्थानों पर शौचालय की सुविधा है न ही डस्टबिन हैं। दोनों जगह पेयजल की सुविधा भी नहीं है। कहा कि विभाग के इस रवैये का क्षेत्र के पर्यटन व्यवसाय पर असर पड़ रहा है। जनवरी माह में चकराता पहुंचे मुख्य वन सरंक्षक ईको टूरिज्म, जायका, बेम्बू बोर्ड पी के मात्रो ने भी होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मोयला टॉप जाने वाले पर्यटकों के लिए लोखंडी में शौचालय निर्माण, पार्किंग निर्माण यात्री शेड का निर्माण कराने सहित कई दावे किए थे, लेकिन अभी तक कोई काम नहीं हुआ है।

अवनीत कौर ने ऑरेंज ड्रेस में गिराई बिजली, लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर मचाई सनसनी

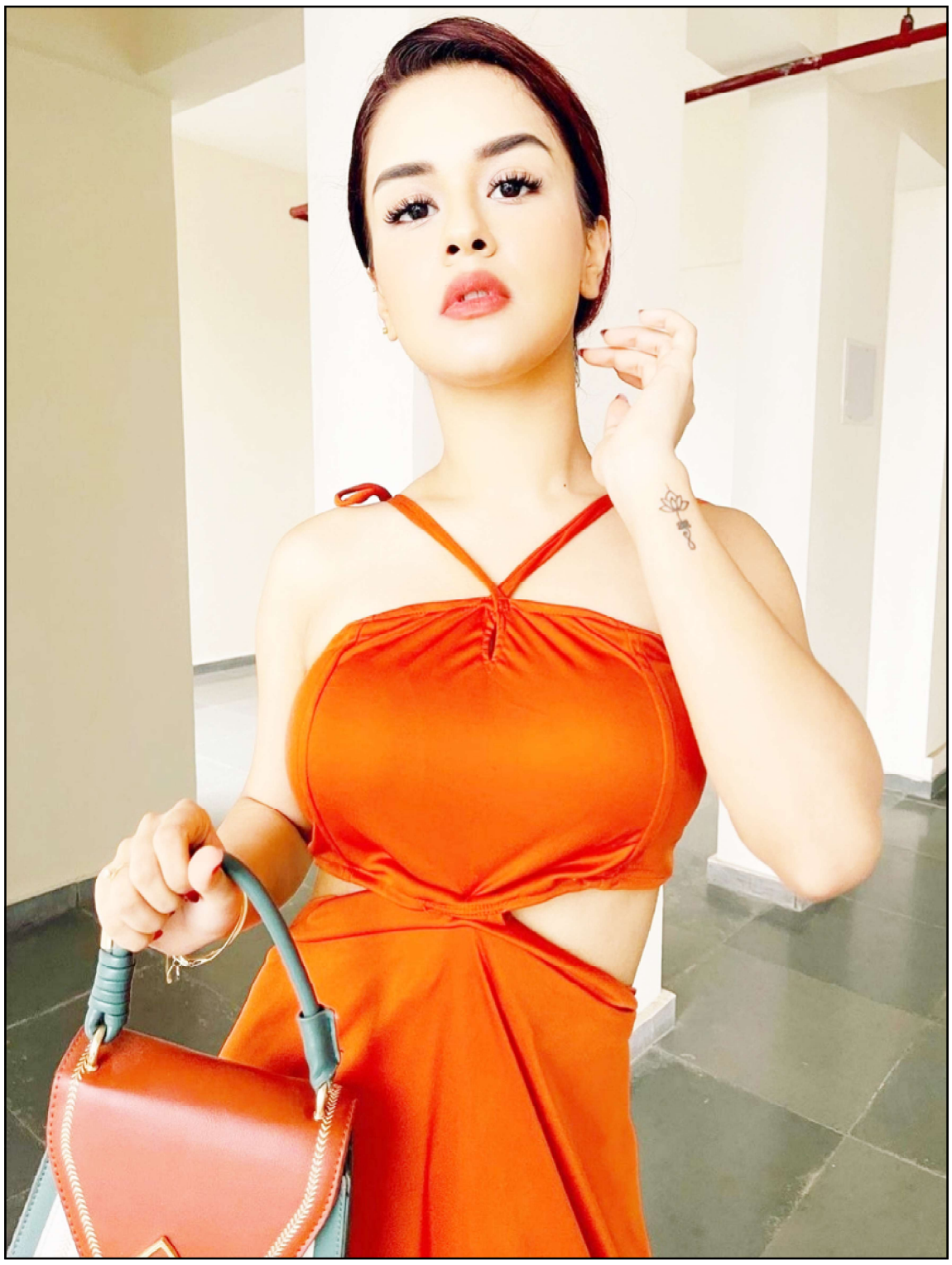

एक्ट्रेस अवनीत कौर एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर कहर ढा रही हैं. उन्होंने हाल ही में ऑरेंज हॉल्टर नेक बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो चुकी हैं. इस ड्रेस में अवनीत न केवल बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, बल्कि उनका कॉन्फिडेंट अंदाज भी फैंस को दीवाना बना रहा है. पोस्ट के कैप्शन में अवनीत ने लिखा, मुझे मेरे दिमाग से बाहर निकालो -- और उनके इस हॉट अवतार पर सेलेब्स भी फिदा हो गए. टन्या चौधरी ने लिखा होश उड़ जाना! इसे प्यार करना वहीं कई फैंस ने उन्हें गॉर्जियस और फैशन क्वीन कहा.

इस लुक को और खास बना रही है उनकी डीप नेक ड्रेस का फिनिशिंग कट और सटल मेकअप के साथ रेड लिपस्टिक. अवनीत का ये अंदाज उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है.

अवनीत कौर न सिर्फ अपने अभिनय के लिए बल्कि अपने स्टाइल और ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जानी जाती हैं. उनका यह लुक एक बार फिर साबित करता है कि वो यंग जनरेशन की स्टाइल आइकन हैं. हर नए फोटोशूट के साथ वह फैशन बार को और ऊपर उठा रही हैं. उनकी इस पोस्ट पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं. अवनीत की ये बोल्ड तस्वीरें यह साबित करती हैं कि वो आने वाले समय में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर गोष्ठी आयोजित, वक्ताओं ने बताए उनके योगदान और आदर्श

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रविवार को चौघानपाटा स्थित एक निजी होटल में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके जीवन, सिद्धांतों और देश के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की। गोष्ठी की शुरुआत नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। रवि रौतेला ने उन्हें राष्ट्र के अमर सपूत बताते हुए कहा कि उन्होंने देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि धारा 370 के विरोध में मुखर्जी का संघर्ष उनकी राष्ट्रभक्ति का प्रतीक था, जिसे वर्तमान सरकार ने समाप्त कर उनके सपने को साकार किया। जिला उपाध्यक्ष कैलाश गुरुरानी ने मुखर्जी के राजनीतिक, शैक्षिक और वैचारिक योगदानों को याद करते हुए कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं बल्कि भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाले महान विचारक थे। मेयर अजय वर्मा ने भी उन्हें याद करते हुए कहा कि मुखर्जी मानते थे कि कोई भी राष्ट्र अपनी आंतरिक शक्ति से ही सुरक्षित रह सकता है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोविंद पिल्खवाल ने मुखर्जी के दूरदर्शी दृष्टिकोण को सराहा। उन्होंने बताया कि शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और परमाणु नीति जैसे विषयों पर मुखर्जी की सोच अपने समय से कहीं आगे थी। उन्होंने शिक्षा को स्वाभिमान से जोड़ा और कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री अर्जुन बिष्ट और देवेंद्र भट्ट ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में मनोज जोशी, मीरा मिश्रा, राहुल जोशी, आनंद भोज, कमल वर्मा, मनोज सनवाल, दीपा अधिकारी, कविता वर्मा, प्रीति रस्तोगी, कमला तिवारी, ललित मेहता, पूरन रावत और नरेश बिष्ट सहित कई कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

परम गुरू 'ज्ञानरूप' होकर शिष्य के हर संकट को 'हर' लेते हैं : साध्वी स्मिता भारती जी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। प्रत्येक रविवार की भांति आज भी दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा अपने निरंजनपुर स्थित आश्रम सभागार में साप्ताहिक सत्संग-प्रवचनों एवं मधुर भजन-संकीर्तन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंचासीन संगीतज्ञों द्वारा गाए गए अप्रतिम भजनों की श्रंखला के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। भजनों में निहित गूढ़ आध्यात्मिक तथ्यों की विवेचना करते हुए मंच का संचालन साध्वी विदुषी जाह्नवी भारती जी के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि जब भी मनुष्य संतों-महापुरूषों का संग करता है, उनकी दिव्य सोहबत में समय गुज़ारता है, तब! उसका विवेक जाग्रत होता है। जाग्रत विवेक मानव को 'सर्वश्रेष्ठ' की अनुभूति कराते हुए 'परम उपलब्धि' की तरफ उसे अग्रसर किया करता है। मनुष्य का मन असंख्य उलझी हुई गुत्थियों का विशाल समूह है, इसमें उलझ-उलझ कर मनुष्य जन्मों-जन्मांतरों तक अपने परम लक्ष्य परमात्मा से विस्मृत रहते हुए मात्र इसी मन के मुताबिक चलता रहता है, और फिर! अपने लिए 'चौरासी' का कष्टकारी चक्र तैयार कर लेता है। सत्संग का प्रावधान महापुरूषों द्वारा किया गया समूची मानवता पर एक असीम उपकार है। सत्संग द्वारा ही मानव मन की दिशा को 'ईश्वरोन्मुख' किया जा सकता है इसी से, जीव को उसका सर्वश्रेष्ठ दिया जा सकता है। साधु के संग की महिमा कबीर साहब कुछ इस प्रकार से बयां करते हैं- 'कबीरा संगत साध की, सांई आवे याद, लेखे में सोई घड़ी, बाकी दिन बरबाद।' गुण के संबंध में यदि देखा जाए तो केवल वह 'परम सत्ता' ही इस योग्य होती है जो कि अपने सानिध्य में आने वालों के भीतर भी अपने परम श्रेष्ठ गणों की स्थापना कर देती है, ऐसी गुणवान परमसत्ता को ही शास्त्र श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ परमगुरू कहकर अभिवंदित किया करते हैं। कबीर साहब यहां भी फरमाते हैं- 'सब धरती कागद करूं, लेखनि सब वनराय, सात समुंद की मसि करूं, गुरू गुण लिखा न जाए।' पूर्ण गुरू जीव को वह अद्वितीय सौगात प्रदान करते हैं जिसे केवल और केवल पूर्ण गुरू ही प्रदान करने में सक्षम हुआ करते हैं, वह सौगात है जीव को 'दिव्य दृष्टि' प्रदान कर देना। इसी दिव्य दृष्टि के द्वारा ईश्वर के तत्वरूप का दर्शन जीव अपने 'हृदयस्थल' में ही किया करता है। आज के साप्ताहिक कार्यक्रम में सदगुरू श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या तथा देहरादून आश्रम की प्रचारिका साध्वी विदुषी स्मिता भारती जी ने प्रवचन करते हुए संगत को बताया कि मानव जीवन में आने वाले सुख और दुख दोनों ही एक दूसरे के 'पूरक' हुआ करते हैं, एक शिष्य का अपने गुरू से यह प्रश्न हो सकता है कि सुख के साथ-साथ आखिरकार दुख का प्रार्दुभाव क्यों होता है? तब श्री गुरूदेव ये ही समझाते हैं कि जिस प्रकार नाव को खेने के लिए दोनों चप्पुओं का होना आवश्यक है, क्योंकि! तभी नाव के सफ़र को पूर्ण कर उसकी यात्रा का अनन्द लिया जा सकता है। ऐसे ही संसार में मनुष्यों को यदि सुख ही सुख बना रहता तो मनुष्य प्रमादी होकर अपने मनुष्य जीवन का लक्ष्य ही भूल जाता, और यदि दुख ही दुख बना रहता तो उसका जीवित रह पाना दूभर हो जाता, जीवन नीरस हो जाता, इसीलिए यह दोनों ही मनुष्य रूपी नौका के सफ़र के लिए आवश्यक हो जाते हैं।

कार्यक्रम के समापन पर सदगुरू महाराज जी की शिष्या तथा देहरादून आश्रम की संयोजिका साध्वी विदुषी अरूणिमा भारती जी ने संगत का आह्वान किया कि दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 10 जुलाई 2025 को 'विशाल स्तर' पर ''श्री गुरू पूर्णिमा महोत्सव'' का भव्य आयोजन जानकी फार्म हाऊस, बड़ोंवाला में किया जा रहा है। सभी भक्तों-साधकों के साथ-साथ उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को इस 'विलक्षण' कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उक्त दिवस प्रात: 08:30 बजे दिव्य ज्योति वेद मंदिर के वेदपाठियों द्वारा पवित्र वेदमंत्रों के सामूहिक गायन के साथ किया जाएगा।

लोजपा (रामविलास) के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती मनाई गई

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। इस कार्यक्रम का आयोजन कारगी चैक स्थित एक वेडिंग पॉइंट में किया गया। लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केदारनाथ पंडित, प्रदेश उपाध्यक्ष केसर लाल कनौजिया, संसदीय बोर्ड अध्यक्ष एन के पटेल प्रदेश महामंत्री सर्वेश कुमार शर्मा, वीरेंद्र भारद्वाज, गौतम कुमार, प्रदेश संगठन मंत्री वीरेंद्र सिंह रावत प्रदेश सचिव मोनिका अस्टवाल, प्रदेश प्रवक्ता विशाल ठाकुर, कोषाध्यक्ष जय गोविंद, राजकुमार यादव, संजय कुमार सरवन कुमार संजय प्रजापति, राजतिलक कनौजिया, अशोक कुमार एवं संजीव शर्मा मुख्य रूप से कार्यक्रम में उपस्थित है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केदारनाथ पंडित ने कहा कि हम सभी के लिए स्वर्गीय रामविलास पासवान जी एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनके द्वारा जो भारतीय राजनीति में कार्य किए गए हैं एवं जो समाज सेवा की गई है उसे भारतवर्ष कभी भुला नहीं सकता। उन्होंने बिहार के हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीत कर जात- पात की राजनीति को जड़ से मिटा दिया था और समाज में एक सद्भावना का संदेश भी उन्ही द्वारा सर्वप्रथम भारतीय राजनीति में दिया गया है। उत्तराखंड में भी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सभी जिलों में सामान्य रूप से कार्य कर रही है एवं प्रदेश के प्रति जिन व्यक्तियों को कुछ करने की चाहत हैं उन सभी के लिए पार्टी से जुड़ने का सुनहरा अवसर है जब पार्टी अपने सभी कार्यकारिणी एवं सदस्यों को एक संगठन के रूप में जोड़ रही है।

देहरादून में 'परवाज़-ए-अमन' की शानदार महफिल, शायरों ने रात भर जीता श्रोताओं का दिल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । बीती रात, देहरादून के टाउन हॉल स्थित नगर निगम में हिंदी और उर्दू शायरी का एक अविस्मरणीय संगम देखने को मिला, जब साहित्यिक संस्था %हिंदी उर्दू शायरी मंच% और %परवाज़-ए-अमन% के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य अखिल भारतीय मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह महफिल देश के नामचीन शायरों और कवियों की उपस्थिति से रात भर सजी रही, जिन्होंने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन) सूर्यकांत धस्माना, मेयर सौरभ थपलियाल, दून इंटरनेशनल के चेयरमैन सरदार डी.एस. मान, और तुलाज इंस्टीट्यूट के चेयरमैन सुनील जैन ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर और शमा रौशन कर किया।

इस अवसर पर, सूर्यकांत धस्माना ने उपस्थित सभी मेहमान शायरों, कवियों और श्रोताओं का हार्दिक स्वागत करते हुए साहित्य, कला और संगीत के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, साहित्य, कला और संगीत समाज को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जैसे फूल की खुशबू का कोई रंग नहीं होता, बहते पानी का कोई वतन नहीं होता, और बहती हवा का कोई मजहब नहीं होता, वैसे ही साहित्यकार, कलाकार और संगीतकार भी अपने रंग, धर्म या वतन से परे अपनी कला और साहित्य के माध्यम से समाज को एक सूत्र में पिरोते हैं। राजनीति में काम करने

वालों को इनसे जुड़ने की कला सीखनी चाहिए। धस्माना ने %परवाज़-ए-अमन% के इस सराहनीय प्रयास की सराहना की और भविष्य में देहरादून में ऐसे और वृहद स्तर के आयोजनों के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

%शायरी-ए-आज़म% अवार्ड से नवाजे गए शम्स देवबंदी

इस गरिमामयी अवसर पर, विश्व प्रसिद्ध शायर शम्स देवबंदी को प्रतिष्ठित शायरी-ए-आज़म अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी गज़ल गया फलक पर तो अपनी जमीन को भूल गया। हमीं ने उड़ना सिखाया हम ही को भूल गया। ने श्रोताओं से खूब दाद बटोरी।

कार्यक्रम संयोजक मंडल ने इस मौके पर सूर्यकांत धस्माना, तुलाज ग्रुप के चेयरमैन सुनील कुमार जैन, दून इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र सिंह मान, मेयर सुनील सौरभ थपलियाल, प्रभात जी अमन के अध्यक्ष अंबिका सिंह रूही, शायरा मोनिका मंतशा, आकाशवाणी से सनोबर अली खां, और एक्ट्रेस इंद्राणी बांधी को भी सम्मानित किया।

रात भर गूंजती रहीं तालियां और वाह-वाह

रात्रि 10ः30 बजे से सुबह 4ः00 बजे तक चले इस कार्यक्रम में शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रसिद्ध शायर मोहन मुंतजिर की एक लमहे मैं हूं जैसे एक सदी उलझी हुई। पूछिए मत शायरों की जिंदगी उलझी हुई। ने खूब तालियां बटोरीं।

'परवाज़-ए-अमन' की अध्यक्ष और प्रसिद्ध शायरा अंबिका सिंह रूही की नज़्म इस दिल से एक हूक सी उठती है। ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। युवा शायर कमलकांत ने अपनी शायरी यूं मेरे शायद कहीं वो रोया है मुझको पुकार के। आशिकी का है आलम मोहल्ले में अब उनके दीदार को लोग आने लगे रौनक के बढ़ गई हैं गली कि मेरी जिसको आने में 16 जमाने लगे। पढ़कर पूरे हॉल को तालियों से गूंजायमान कर दिया।

शायर शाश्वत सिंह दर्पण की नज़्म यह दुनिया एक दौज़ख़ है जहां पर, कहीं से लोग मर कर आ रहे हैं। ने भी भरपूर तालियां बटोरीं। असीम काकोरवी की रचना बड़ी सहारा न वर्दी की जरूरत होती है साहब, तो फिर जाकर कहीं एक शेर की तकमील होती है। को भी श्रोताओं ने काफी पसंद किया।

युवा शायर अमजद खान अमजद की रचना मेरी निगाह में अमजद बहुत अज़ीम हैं वो, जो आस्तीन से मेरी निकल के बैठ गए। ने भी लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। युवा शायरा मोनिका मंतशा ने जब अपनी नज़्म इसी तरह से फ़क़त मुझमें जान बाक़ी है किसी फ़क़ीर में जैसे जहान बाक़ी है, तिरे बग़ैर यूँ वीरान हो गई हूँ मैं, चला गया है मक़ीं बस मकान बाक़ी है पढ़ी, तो पूरा हॉल श्रोताओं की वाह-वाह और तालियों से गूंज उठा। गज़लों, शेरो-शायरी और कविताओं का यह सिलसिला रातभर चलता रहा, जिसमें श्री धस्माना, सरदार डी.एस. मान और श्री सुनील जैन भी कार्यक्रम समाप्त होने तक उपस्थित रहे, जो इस साहित्यिक आयोजन के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। यह महफिल न केवल साहित्य प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव रही, बल्कि इसने देहरादून में हिंदी और उर्दू शायरी की परंपरा को भी जीवंत बनाए रखा।

विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स में उत्तराखंड के फायरफाइटर्स ने भारत का गौरव बढ़ाया

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स 2025 में उत्तराखंड के फायरफाइटर्स ने भारत का गौरव बढ़ाया। उन्होंने पहली बार इस गेम्स में प्रतिभाग कर 9 पदक अपने नाम किये और भारत का नाम मैडल टैली में आगे किया। बर्मिंघम, अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में पहली बार भाग ले रहे उत्तराखंड फायर सर्विस के जवानों ने अद्भुत साहस, सहनशक्ति और अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए भारत और उत्तराखंड का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से उत्तराखंड फायर एवं इमरजेंसी सेवा में गर्व और उत्सव का माहौल है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 70 से अधिक देशों के 8500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। भारत की ओर से चार उत्तराखंड के अग्निशमन कर्मी टीम इंडिया का हिस्सा बने, और यह पहली बार था जब उत्तराखंड फायर सर्विस के फायरफाइटर्स ने इस वैश्विक खेल महाकुंभ में भागीदारी की। 04 फायर फायरटर्स में एक पुरूष तथा तीन महिला फायर फाइटर्स थी। टीम के कुल 09 पदकों में से 2- स्वर्ण पदक, 3-रजत पदक तथा 4-कांस्य पदक शामिल रहे। फायर सर्विस चालक दिनेश चंद्र भट्ट ने अल्टीमेट फायर फाइटर प्रतियोगिता में 1 रजत पदक तथा फायर फाइटिंग चैलेंज में 1 कांस्य पदक अर्जित किया। महिला फायर फाइटर्स डिंपल, माधुरी भंडारी एवं पिंकी रावत ने अल्टीमेट फायर फाइटर (महिला टीम) श्रेणी में 1 कांस्य पदक तथा स्टेयर रन (फुल फायर गियर-महिला टीम) में 1 रजत पदक प्राप्त किया। पिंकी रावत ने स्टेयर रन (फुल फायर गियर-व्यक्तिगत) में 1 कांस्य पदक जीता। डिंपल रावत ने कुल 6 पदकों के साथ प्रतियोगिता में देश के साथ ही एवं उत्तराखण्ड की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डिंपल ने स्टेयर रन (फुल फायर गियर-मिक्स टीम) में 1 स्वर्ण पदक, स्टेयर रन (कैजुअल-मिक्स टीम) में 1 स्वर्ण पदक, स्टेयर रन (फुल फायर गियर-व्यक्तिगत) में 1 रजत पदक, स्टेयर रन (कैजुअल-व्यक्तिगत) में 1 कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी यह प्रदर्शन न केवल उत्तराखंड के लिए, बल्कि भारत के लिए भी अत्यंत गौरव का विषय रहा। सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे फायर कर्मियों द्वारा जीता गया हर पदक केवल एक जीत नहीं, बल्कि यह समर्पण, शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण है, जो उत्तराखंड फायर सर्विस की पहचान है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे अग्निशमन योद्धा न केवल जीवन रक्षक के रूप में, बल्कि वैश्विक चैंपियन के रूप में उभरे हैं। विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स 2025 में यह उपलब्धि न केवल विभागीय, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है, जो वर्दीधारी सेवाओं की अटूट निष्ठा, अनुशासन और उत्कृष्टता का साक्षात प्रमाण भी है।

रुद्रप्रयाग में 2407 प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की होगी जांच

इंडिया वार्ता ब्यूरो

रुद्रप्रयाग । त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के लिए जनपद में विभिन्न पदों के लिए दावेदारी कर रहे कुल 2407 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्रों की जांच होगी। निर्वाचन विभाग द्वारा जांच को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है। जनपद में जिला पंचायत की 18 सीटों के लिए कुल 96 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन किया है। विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत प्रधानों के 108 पदों के सापेक्ष कुल 291 नामांकन, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के 40 पदों के सापेक्ष कुल 139 नामांकन, जबकि ग्राम पंचायत सदस्य के 788 पदों के सापेक्ष कुल 350 नामांकन पत्र दाखिल किए गए है। विकासखंड ऊखीमठ की ग्राम पंचायत प्रधानों के 66 पदों सापेक्ष कुल 155 नामांकन, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के 35 पदों के सापेक्ष कुल 79 नामांकन, जबकि ग्राम पंचायत सदस्य पदों के 486 सापेक्ष कुल 288 नामांकन पत्र दाखिल किए गए है। विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत प्रधानों के 159 पदों सापेक्ष कुल 415 नामांकन, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के 40 पदों के सापेक्ष कुल 140 नामांकन, जबकि ग्राम पंचायत सदस्य के 1145 पदों के सापेक्ष कुल 454 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। जनपद में विभिन्न पदों के लिए कुल मिलाकर 2407 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन किया गया। जिला निवार्चन अधिकारी डीएम प्रतीक जैन ने बताया कि जनपद में पंचायत चुनावों की नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सोमवार से नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया शुरू होगी। जो 9 जुलाई तक चलेगी। 10 व 11 जुलाई प्रत्याशियों की नाम वापसी, 14 जुलाई को प्रतीक चिन्हों का आवंटन होगा जबकि 24 जुलाई को मतदान किया जाएगा। 31 जुलाई को मतों की गणना के साथ परिणाम घोषित किए जाएंगे। बताया कि नामांकन पत्रों की जांच के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं पूरी ईमानदारी के साथ निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का मसूरी विधानसभा में भव्य स्वागत, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दूसरी बार निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट का मसूरी विधानसभा क्षेत्र में प्रथम आगमन पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने न्यू कैंट रोड स्थित सालावाला में गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भी मनाई गई, जिस पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे, जिन्होंने माला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार और संगठन सशक्तिकरण का संकल्प

स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति गहन आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी पुन: सौंपी गई है, वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। भट्ट ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने 'एक देश, एक विधान' के नारे को भारत की एकता और संप्रभुता की मूल भावना बताया, जिसे जनता ने सहर्ष स्वीकार किया था। भट्ट ने जोर दिया कि आज यदि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, तो इसका श्रेय उन महापुरुषों के त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण को जाता है, जिन्होंने इस विचारधारा को सींचा। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय भावना, समरसता और एकता की प्रतीक संस्था है, और यही भाव जब संगठन के कार्यों में झलकता है तो जनता का अटूट विश्वास प्राप्त होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तराखंड में भाजपा संगठन कार्यकर्ताओं की एकजुटता और परिश्रम से आने वाले समय में और अधिक सशक्त होगा तथा जनता के विश्वास पर खरा उतरेगा।

कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी

अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यह इतिहास में शायद पहली बार हुआ है कि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए किसी ने नामांकन नहीं भरा। यह इस बात का प्रतीक है कि महेंद्र भट्ट के प्रति शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का अपार विश्वास है। उन्होंने भट्ट के संगठन के प्रति समर्पण, परिश्रम और त्याग की सराहना करते हुए कहा कि दूसरी बार इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलना उनकी कार्यकुशलता, ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। मंत्री जोशी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन को राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और जीवनपर्यंत राष्ट्रहित के लिए संघर्ष किया। जोशी ने %एक देश, एक विधान, एक निशान और एक प्रधान% के डॉ. मुखर्जी के सिद्धांत को याद करते हुए गर्व से कहा कि केंद्र सरकार ने उनके सपनों को साकार करते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया है। उन्होंने उपस्थित जनों से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को आत्मसात करने और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने का आग्रह किया।

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अंशुल चावला के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को तलवार भेंट कर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, राज्यमंत्री कैलाश पंत, भाजयुमो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, राजीव गुरुंग, महानगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, संध्या थापा, निरंजन डोभाल, आरएस परिहार, पूनम नौटियाल सहित पार्षद, पार्टी पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

करुणा के जीते-जागते प्रतीक हैं पूज्य दलाई लामा : महाराज

14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो के जन्म दिन पर हुआ भव्य आयोजन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । पूज्य दलाई लामा जी को अवलोकितेश्वर या चेनरेजिग (करुणा के बोधिसत्व और तिब्बत के रक्षक देवता) का अवतार माना जाता है। बोधिसत्व वे प्राणी होते हैं जो समस्त सजीवों के कल्याण हेतु बुद्धत्व प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं और जिन्होंने मानवता की सेवा के लिए पुनर्जन्म लेने का संकल्प किया है।

उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को तिब्बती नेहरू मेमोरियल स्कूल, फुटबॉल ग्राउंड, क्लेमेंट टाउन स्थित तिब्बत कॉलोनी में तिरुपति कल्याण कार्यालय द्वारा आयोजित तिब्बत के 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो के जन्म दिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने तिब्बत के 14वें दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूज्य दलाई लामा जी एक असाधारण बौद्ध भिक्षु होने के साथ-साथ तिब्बत के आध्यात्मिक नेता हैं। केन्द्रीय तिब्बत प्रशासन (सीटीए) ने उनके जन्मदिन के इस आनन्दमयी अवसर को मनाने के लिए इस वर्ष को करूणा का वर्ष घोषित किया है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो का जीवन किसी धर्म, राष्ट्र या वाणी तक सीमित नहीं है वह करुणा के जीते-जागते प्रतीक हैं। उन्होंने निर्वासन में भी, पीड़ा में भी, पूरी दुनिया को यह सिखाया कि अहिंसा ही सच्ची शक्ति है, और दूसरों के दुख को अपना बना लेना ही सच्ची करुणा है। उनके वचन सरल हैं, लेकिन उनका प्रभाव गहरा है। जैसे उन्होंने कहा है ष्यदि आप चाहते हैं कि दूसरे लोग खुश रहें, तो करुणा का अभ्यास करें। यदि आप खुश रहना चाहते हैं, तो भी करुणा का अभ्यास करें। यह केवल उपदेश नहीं, उनका अपना जीवन है। और यही संदेश आज के संसार को सबसे अधिक चाहिए।

महाराज ने कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि भारतभूमि, जिसने महात्मा बुद्ध को जन्म दिया, आज ग्यालवा रिनपोछे को आश्रय देकर स्वयं भी धन्य हुई है। उनके साथ हमारा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध केवल अतीत की विरासत नहीं, यह शांति का, सह-अस्तित्व का, मानवता का और वर्तमान का जीवंत संवाद है।

फर्जी लोन ऐप के जरिए ठगी करने वाले को किया गिरफ्तार

फर्जी लोन ऐप के जरिए देशभर में की थी 750 करोड़ रुपये की ठगी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । उत्तराखंड एसटीएफने देशभर में फर्जी लोन एप्स के जरिए करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले बड़े मास्टरमाइंड को दबोच लिया है। आरोपी अभिषेक अग्रवाल को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है, लेकिन इसकी आड़ में वह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क चला रहा था। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक अग्रवाल दिल्ली के अशोक विहार का रहने वाला है। उसके खिलाफपहले से लुकआउट सर्कुलर जारी था. जैसे ही वह विदेश से लौटकर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, एसटीएफकी टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफकी जांच में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। अभिषेक ने अपने और अपनी पत्नी के नाम पर कुल 41 फर्जी कंपनियां बनाई थीं। इनमें से 13 कंपनियां उसके नाम और 28 उसकी पत्नी के नाम पर हैं। इन कंपनियों के जरिए करीब 750 करोड़ रुपये से ज्यादा की संदिग्ध रकम का लेनदेन हुआ।

जांच में पता चला है कि इन कंपनियों में कई जगह चीनी नागरिकों को सह-निदेशक बनाया गया था। पूछताछ में अभिषेक ने भी स्वीकार किया कि वह चीन के साइबर ठग गिरोह के संपर्क में था और उन्हीं के लिए भारत में पूरा नेटवर्क खड़ा कर रहा था। यह पूरा गिरोह देशभर में 15 से ज्यादा फर्जी लोन एप्स के जरिए सक्रिय था। ये एप्स कम दस्तावेजों में फटाफट लोन देने का झांसा देते थे। लेकिन जैसे ही लोग एप इंस्टॉल करते, उनका मोबाइल फोन गिरोह की पकड़ में आ जाता। उनकी गैलरी, कॉन्टैक्ट्स और निजी जानकारी उन तक पहुंच जाती। इसके बाद धमकी और ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू होता। फोटो-वीडियो एडिट कर वायरल करने की धमकी देकर मोटी रकम वसूली जाती थी। इस मामले से जुड़े एक और मास्टरमाइंड अंकुर ढींगरा को पहले गुड़गांव से गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा एसटीएफकी टीम ने औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारकर तकनीकी सबूत भी बरामद किए हैं।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222